संगीत - स्वरवाद्य में स्नातक(बी0ए0)				
<u>उद्देश्य</u> - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के मूलभूत तत्वों, गायन शैलियाँ, प्रसिद्ध स्वर वाद्य वादकों के जीवन से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसा स्वर वाद्य के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।				
द्वितीय सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम				
क्र0 सं0	**कोर्स शीर्षक**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**भारतीय संगीत का परिचय II - स्वरवाद्य एवं प्रयोगात्मक**	**BAMI(N)-102**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	**भारतीय संगीत का परिचय II - स्वरवाद्य**		**50**	**2**
	इकाई 1- भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।			
	इकाई 2- परिभाषा (ध्वनि, नाद**,** आन्दोलन**,** मींड, कण, सूत, खटका**,** गमक**,** घसीट**,** कृंतन, मुर्की)।			
	इकाई 3- गायन शैलियों का संक्षिप्त परिचय (ध्रुवपद, धमार, ठुमरी, टप्पा, दादरा एवं होरी)।			
	इकाई 4- संगीतज्ञों का जीवन परिचय (उ0 अलीअकबर खॉ **,** उ0 इनायत खॉ एवं पं0 शिवकुमार शर्मा) ।			
	इकाई 5- राग भैरव एवं भूपाली का परिचय मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गतों को तोड़े सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6- पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल का परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	**प्रयोगात्मक**		**50**	**2**
	इकाई 7– राग भैरव का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 8- राग भैरव में मसीतखानी/विलम्बित गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 9- राग भैरव में रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित ।			
	इकाई 10- राग भूपाली का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 11- राग भूपाली में मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम के तालों एकताल एवं कहरवा की पढन्त एवं उनके ठेकों को दुगुन एवं चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 13- अपने वाद्य के विभिन्न अंगों का ज्ञान।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
***राग* - भूपाली एवं भैरव**		**ताल -एकताल एवं कहरवा**		
नोट- पूर्व सेमेस्टर के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति				